एम. कॉम
चतुर्थ सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

चतुर्थ सत्र
सत्रीय कार्य
2025–2026

जुलाई 2025 तथा जनवरी 2026 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि **(एम. कॉम)**

चतुर्थ सत्र

सत्रीय कार्य – 2025–2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2025 और जनवरी 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।

2. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01/ टी. एम. ए. / 2025-26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) भुगतान शेष असाम्य असंतुलन को परिभाषित करें। भुगतान शेष को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों और असंतुलन को ठीक करने के तरीकों पर चर्चा करें। (10+10)

(ख) प्रशुल्क और प्रशुल्क विहीन अवरोधकों के बीच अंतर करें। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रतिबंधित करने वाले विभिन्न प्रशुल्क विहीन बाधाओं की व्याख्या करें।

2. वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण की प्रमुख कारकों का वर्णन करें। वैश्वीकरण किस तरह से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रणनीतिक निर्णयों और बाजार विस्तार को आकार देता है? उपयुक्त उदाहरण देते हुए समझाएँ। (4+8+8)

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी करें:** (4X5)

(क) यूरोपीय देशों में उपयोगितावाद को प्राथमिकता दी जाती है।
(ख) कृषि पारंपरिक रूप से विश्व व्यापार के सबसे कम विवादास्पद क्षेत्रों में से एक रही है।
(ग) अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति के व्यापार मतभेदों के लिए विवाचन एक अभीष्ट साधन नहीं है।
(घ) सेवा क्षेत्र रोजगार प्रदान करने के लिए आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं है।

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए**: (4X5)

(क) परम्परावादी सिद्धांत और गैर परम्परावादी सिद्धांत
(ख) क्षेत्रीयवाद और बहुपक्षीयता
(ग) विवाचन और न्यायिक प्रक्रिया
(घ) टेलनेट और इंटरनेट

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: (4X5)

(क) कारक मूल्य साम्यकरण सिद्धांत
(ख) उत्पाद संमिश्रण
(ग) पाटन विरोधी समझौता
(घ) अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06/ टी. एम. ए. / 2025 - 26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. "अस्थायी विनिमय दर (Floating Exchange Rate) प्रणाली तब विफल हो जाती है जब सरकारें विनिमय बाजारों के फैसलों को अनदेखा करती हैं और व्यापार व पूंजी प्रवाह पर प्रत्यक्ष नियंत्रण लगाने लगती हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए। **(20)**

2. विभिन्न मुद्रा बाजार (Money Market) उपकरणों के उद्देश्य क्या हैं ? उपयुक्त उदाहरणों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक अंतरण प्रणाली को स्पष्ट कीजिए। **(8 + 12)**

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए :** **(10+10)**

(क) ट्रांजेक्शन एक्सपोजर से आप क्या समझते हैं? लघु अवधि और दीर्घकाल दोनों में प्रबंधन करने की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए।

(ख) विनिमय जोखिम प्रबंधन में केंद्रीकरण/विकेंद्रीकरण को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं? भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आप किस नीति की सिफारिश करेंगे और क्यों?

4. (क) हस्तांतरण मूल्य निर्धारण (Transfer Pricing) की तकनीक को उपयुक्त उदाहरण की सहायता से समझाइए। **(10+10)**

(ख) समायोजित वर्तमान मूल्य (Adjusted Present Value) तकनीक अन्य वित्तीय मूल्यांकन तकनीकों से कैसे भिन्न है? यह अंतर्राष्ट्रीय परियोजना मूल्यांकन के लिए अधिक उपयुक्त क्यों मानी जाती है?

5. (क) किसी भी देश में वित्तीय बाजारों के विकास की स्थिति घरेलू कंपनियों की पूंजी संरचना के स्वरूप को कैसे प्रभावित करती है"? उपयुक्त उदाहरणों सहित समझाइए। **(10+10)**

(ख) निधियों की स्थिति निर्धारण एवं पृथक्करण (Positioning and Unbundling of funds) से आप क्या समझते हैं? निधियों की स्थिति निर्धारण पर कौन – कौन से प्रतिबंध होते हैं? किसी देश से अवरुद्ध (ब्लॉक्ड) निधियों को कैसे बाहर निकाला जा सकता है?